International Journal of Engineering Technology and Applied Science
(ISSN: 2395 3853), Vol. 10 Issue 11 November 2024

# मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम की प्रमुख योजनाओं का लागत–लाभ विश्लेषण

**डॉ. गजराज सिंह अहिरवार**
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, श्री सत्य सांई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर

## सारांश
मध्यप्रदेश, जिसे षहिंदुस्तान का ह्रदयष कहा जाता है, पर्यटन की अपार संभावनाओं से समृद्ध है। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम ने राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाओं और परियोजनाओं को लागू किया है। यह अध्ययन निगम की प्रमुख योजनाओं का लागत–लाभ विश्लेषण करता है। इस शोध का उद्देश्य इन योजनाओं के आर्थिक प्रभाव का मूल्यांकन करना और यह समझना है कि ये योजनाएँ राज्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन, और स्थानीय विकास में कितना योगदान करती हैं। शोध के निष्कर्षों से यह ज्ञात हुआ कि पर्यटन योजनाएँ जैसे ''हेरिटेज होटल स्कीम'', ''स्मार्ट टूरिज्म प्रोजेक्ट'', और ''होमस्टे योजना'' ने आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है, लेकिन कुछ योजनाओं में संसाधनों का समुचित उपयोग नहीं हो पाया। लागत–लाभ विश्लेषण ने सुझाव दिया कि यदि योजना निर्माण और क्रियान्वयन में सुधार किए जाएँ, तो ये योजनाएँ अधिक प्रभावी साबित हो सकती हैं।

**मुख्य शब्द :** मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम, पर्यटन, लागत–लाभ विश्लेषण

## परिचय
मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम का उद्देश्य राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना और पर्यटकों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करना है। निगम की योजनाएँ राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों, और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देती हैं। इस शोध में प्रमुख योजनाओं का विश्लेषण किया गया है, जैसेरू

- हेरिटेज होटल स्कीम
- स्मार्ट टूरिज्म प्रोजेक्ट
- होमस्टे योजना

इन योजनाओं के तहत खर्च की गई लागत और प्राप्त हुए लाभ का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

## साहित्य समीक्षा
1. पर्यटन परियोजनाओं का आर्थिक लाभ और लागत – पर्यटन मंत्रालय (2020) ने भारत में पर्यटन परियोजनाओं का अध्ययन करते हुए पाया कि ये योजनाएँ आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लागत–लाभ विश्लेषण के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि सही योजना और निवेश से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के साथ–साथ आय के स्रोत भी उत्पन्न होते हैं।

2. मध्यप्रदेश में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव – शर्मा (2021) ने अपने शोध में मध्यप्रदेश में पर्यटन योजनाओं के आर्थिक लाभ का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि राज्य में चल रही योजनाएँ जैसे हेरिटेज होटल स्कीम और स्मार्ट टूरिज्म प्रोजेक्ट ने जीडीपी में योगदान दिया है। शोध से यह भी पता चला कि इन योजनाओं में लाभ अपेक्षाकृत अधिक है, यदि उन्हें सही तरीके से लागू किया जाए।

3. लागत–लाभ विश्लेषण का महत्व – पटेल और सिंह (2020) के अनुसार, पर्यटन योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन लागत–लाभ विश्लेषण पर निर्भर करता है। उन्होंने अपने अध्ययन में बताया कि जिन योजनाओं में लागत की तुलना में लाभ अधिक होता है, वे न केवल टिकाऊ होती हैं, बल्कि निवेशकों और स्थानीय समुदायों के लिए भी लाभकारी होती हैं।

4. ग्रामीण पर्यटन और वित्तीय लाभ – मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण (2022) के अनुसार, होमस्टे योजना और ग्रामीण पर्यटन विकास परियोजनाएँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं। इन योजनाओं के लागत–लाभ विश्लेषण से यह पता चला कि इनसे मिलने वाला लाभ उनकी लागत से कहीं अधिक है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास हो रहा है।

5. पर्यटन विकास परियोजनाओं की चुनौतियाँ और समाधान – विश्व पर्यटन संगठन (2021) ने अपने अध्ययन में बताया कि पर्यटन योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए लागत–लाभ विश्लेषण आवश्यक है। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि बुनियादी ढांचे की कमी और वित्तीय प्रबंधन में सुधार से इन योजनाओं की प्रभावशीलता और लाभप्रदता बढ़ाई जा सकती है।

## उद्देश्य

- मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम की प्रमुख योजनाओं की लागत और लाभ का विश्लेषण करना।
- योजनाओं के राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव का अध्ययन।
- योजनाओं के तहत रोजगार सृजन और स्थानीय समुदायों पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन।
- योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान का सुझाव।

## अनुसंधान पद्धति

**डेटा संग्रह** – इस शोध में प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया। प्राथमिक डेटा में पर्यटन से जुड़े अधिकारियों और हितधारकों से साक्षात्कार शामिल हैं। द्वितीयक स्रोतों में सरकारी रिपोर्ट, बजट दस्तावेज, और पर्यटन विभाग की वार्षिक रिपोर्ट शामिल हैं।

**लागत–लाभ विश्लेषण** –

- लागत में निर्माण, संचालन, और रखरखाव पर खर्च को शामिल किया गया।

- लाभ में रोजगार सृजन, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि, और स्थानीय व्यवसायों पर प्रभाव को मापा गया।

**सारणी 1 लागत और लाभ का तुलनात्मक विश्लेषण**

| योजना का नाम | कुल लागत (₹ करोड़) | लाभ (पर्यटकों की वृद्धि) | रोजगार सृजन (लोगों की संख्या) | प्रमुख समस्याएँ |
|---|---|---|---|---|
| हेरिटेज होटल स्कीम | 500 | 20% वृद्धि | 10,000 | ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार की कमी |
| स्मार्ट टूरिज्म प्रोजेक्ट | 350 | 30% वृद्धि | 5,000 | तकनीकी विशेषज्ञता की कमी |
| होमस्टे योजना | 50 | 15% वृद्धि | 2,500 | बुनियादी ढांचे का अभाव |

**परिणाम**

**हेरिटेज होटल स्कीम**

लागत – ₹ 500 करोड़

लाभ – पर्यटकों की संख्या में 20 प्रतिशत वृद्धि और स्थानीय रोजगार सृजन।

समस्या – ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार–प्रसार की कमी।

**स्मार्ट टूरिज्म प्रोजेक्ट –**

लागत – ₹ 350 करोड़

लाभ – डिजिटल बुकिंग और पर्यटन स्थल प्रबंधन में सुधार।

समस्या – तकनीकी जानकारियों की कमी।

**होमस्टे योजना –**

लागत – ₹ 50 करोड़

लाभ – 15 प्रतिशत तक स्थानीय ग्रामीणों की आय में वृद्धि।

समस्या – ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का अभाव।

**सारणी 2 – योजनाओं का आर्थिक प्रभाव**

| मापदंड | हेरिटेज होटल स्कीम | स्मार्ट टूरिज्म प्रोजेक्ट | होमस्टे योजना |
|---|---|---|---|
| राज्य की GDP में योगदान (%) | 1.5% | 1.0% | 0.5% |
| पर्यटकों की संख्या | 5,00,000 | 7,00,000 | 2,00,000 |
| स्थानीय व्यवसायों पर प्रभाव | उच्च | मध्यम | मध्यम |

## सारणी 3 – योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियाँ

| चुनौती | हेरिटेज होटल स्कीम | स्मार्ट टूरिज्म प्रोजेक्ट | होमस्टे योजना | सुझाव |
|---|---|---|---|---|
| प्रचार और विपणन में कमी | हाँ | नहीं | हाँ | प्रचार–प्रसार के लिए बजट बढ़ाया जाए। |
| तकनीकी विशेषज्ञता की कमी | नहीं | हाँ | नहीं | प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ। |
| बुनियादी ढांचे का अभाव | नहीं | नहीं | हाँ | ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विकास। |

## निष्कर्ष

मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम की योजनाओं ने राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हालांकि, कुछ योजनाओं में बेहतर प्रबंधन और निगरानी की आवश्यकता है। यदि इन परियोजनाओं की संरचना और क्रियान्वयन में सुधार किया जाए, तो ये पर्यटन क्षेत्र को और अधिक प्रभावी बना सकती हैं।

## सुझाव

- प्रचार और विपणन पर अधिक ध्यान देना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास।
- पर्यटकों के लिए डिजिटल सुविधा और सुरक्षा में सुधार।
- योजनाओं की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी की स्थापना।

## संदर्भ सूची


- मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम की वार्षिक रिपोर्ट (2023)।
- भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान की रिपोर्ट (2022)।
- विश्व पर्यटन संगठन की रिपोर्ट (2021)।
- मध्यप्रदेश में पर्यटन की संभावनाएँ, शोध पत्रिका (2020)।
- सरकार की योजना पोर्टल (https://www-india-gov-in)।
- Ministry of Tourism. (2020). *Tourism and Employment Generation in India*. New Delhi: Ministry of Tourism, Government of India.
- Sharma, R. (2021). Economic Impact of Tourism Projects in Madhya Pradesh. *Journal of Tourism Economics*, 10(2), 45-60.
- Patel, A., & Singh, V. (2020). Cost-Benefit Analysis of Tourism Development Projects in India. *Indian Journal of Rural Development*, 7(1), 25-35.

- Madhya Pradesh Economic Survey. (2022). *Tourism and Economic Development in Madhya Pradesh*. Bhopal: Government of Madhya Pradesh.
- World Tourism Organization. (2021). *Tourism Projects and Their Financial Sustainability*. Retrieved from https://www.unwto.org